0846CH10

10 कामचोर

बड़ी देर के वाद-विवाद के बाद यह तय हुआ कि सचमुच नौकरों को निक
दिया जाए। आखिर, ये मोटे-मोटे किस काम के हैं! हिलकर पानी नहीं पीते।
अपना काम खुद करने की आदत होनी चाहिए। कामचोर कहीं के!

"तुम लोग कुछ नहीं। इतने सारे हो और सारा दिन ऊधम मचाने के सि
कुछ नहीं करते।"

और सचमुच हमें खयाल आया कि हम आखिर काम क्यों नहीं कर
हिलकर पानी पीने में अपना क्या खर्च होता है? इसलिए हमने तुरंत हिल-हिला
पानी पीना शुरू किया।

हिलने में धक्के भी लग जाते हैं और हम किसी के दबैल तो थे नहीं कि
धक्का दे, तो सह जाएँ। लीजि
पानी के मटकों के पास
घमासान युद्ध हो गया। सुराहि
उधर लुढ़कीं। मटके इधर
कपड़े भीगे, सो अलग।

'यह भला काम करेंगे
अम्मा ने निश्चय किया।

"करेंगे कैसे नहीं! देखो
जो काम नहीं करेगा, उसे
का खाना हरगिज नहीं मिलेग
समझे।"

यह लीजिए बिलकुल शा
फरमान जारी हो रहे हैं।